मुख्यमंत्री बोले-कभी बीमारू राज्य कहलाता था, अब देश का ग्रोथ इंजन

यूपी आठ साल में शीर्ष-2 राज्यों में एक बना : योगी

बस्ती, वरिष्ठ संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जो यूपी कभी 'बीमारू' कहलाता था, वही आज देश का 'ग्रोथ इंजन' बन गया है। आठ साल में यूपी टॉप-2 राज्यों में शामिल है। प्रदेश में दो दिन में 6000 युवाओं को नियुक्ति-पत्र दिए गए। यूपी में 2017 के बाद से साढ़े आठ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है।

मुख्यमंत्री, मंगलवार को बस्ती जिले के बसहवा में सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के भूमि पूजन व शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। योगी ने कहा कि आजादी के बाद सरकारें शिक्षा को सही दिशा नहीं दे सकीं, तब नाना जी देशमुख ने गोरखपुर से सरस्वती शिशु मंदिर की शुरुआत की। पांच बच्चों से शुरू हुआ यह प्रयास आज 12000 विद्यालयों तक पहुंच चुका है और यहां से निकले छात्र समाज को नेतृत्व व मार्गदर्शन दे रहे हैं।

सीएम ने कहा कि शिक्षा से आत्मनिर्भर भारत की नींव रखी जाती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 इसी दिशा में युवाओं को तैयार कर रही है। उन्होंने 'वोकल फॉर लोकल' पर बल देते हुए कहा कि विदेशी कंपनियों का मुनाफा आतंकी वारदातों में खर्च होता है। इसलिए भारतीय कारीगरों और हस्तशिल्पियों को बढ़ावा देना चाहिए। सीएम ने कहा कि यदि पड़ोस में लगी आग नहीं बुझाई तो उसका असर हम पर भी पड़ेगा। समाज को बांटने वाली ताकतों से सावधान रहने की अपील करते हुए उन्होंने सोशल मीडिया और टेक्नोलॉजी के सही उपयोग पर बल दिया। योगी ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर से निकले छात्र समाज को नेतृत्व भी दे रहे और मार्गदर्शन भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम सरकार तैयार करती है। सरकार सहयोग करे या न करे। अपने दम और स्वयंसेवकों की मदद से भारतीयता के प्रति अनुराग रखने वाले नागरिकों के माध्यम से सरस्वती शिशु मंदिर ने इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाया।

बस्ती में सरस्वती शिशु मंदिर के लिए भूमि पूजन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

इंसेफेलाइटिस पर लगाम

इंसेफेलाइटिस पर नियंत्रण की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के स्वच्छ भारत मिशन ने इस बीमारी पर नकेल कस दी है। उन्होंने कहा कि जब पीएम मोदी ने दो अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की तो लोगों ने इसके बारे में नहीं समझा। इंसेफेलाइटिस का उन्मूलन स्वच्छ भारत मिशन की सबसे बड़ी ताकत थी।

सुहेलदेव को हम भूल गए

सीएम ने कहा बहराइच में एक हजार वर्ष पहले जब महाराजा सालार मसूद बहराइच में मंदिरों को तोड़ने आया था, तो महाराज सुहेलदेव ने सैनिकों के साथ मुकाबला किया। उसे परास्त कर वह सजा दी, जिसे इस्लाम के दृष्टि से सबसे खराब मानी जाती थी। लोग सुहेलदेव को भूल गए थे। गुलामी की मानसिकता इस कदर छा गई कि सालार मसूद को पूजने लगे।